चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 13 जुलाई 2026, अंक –309.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

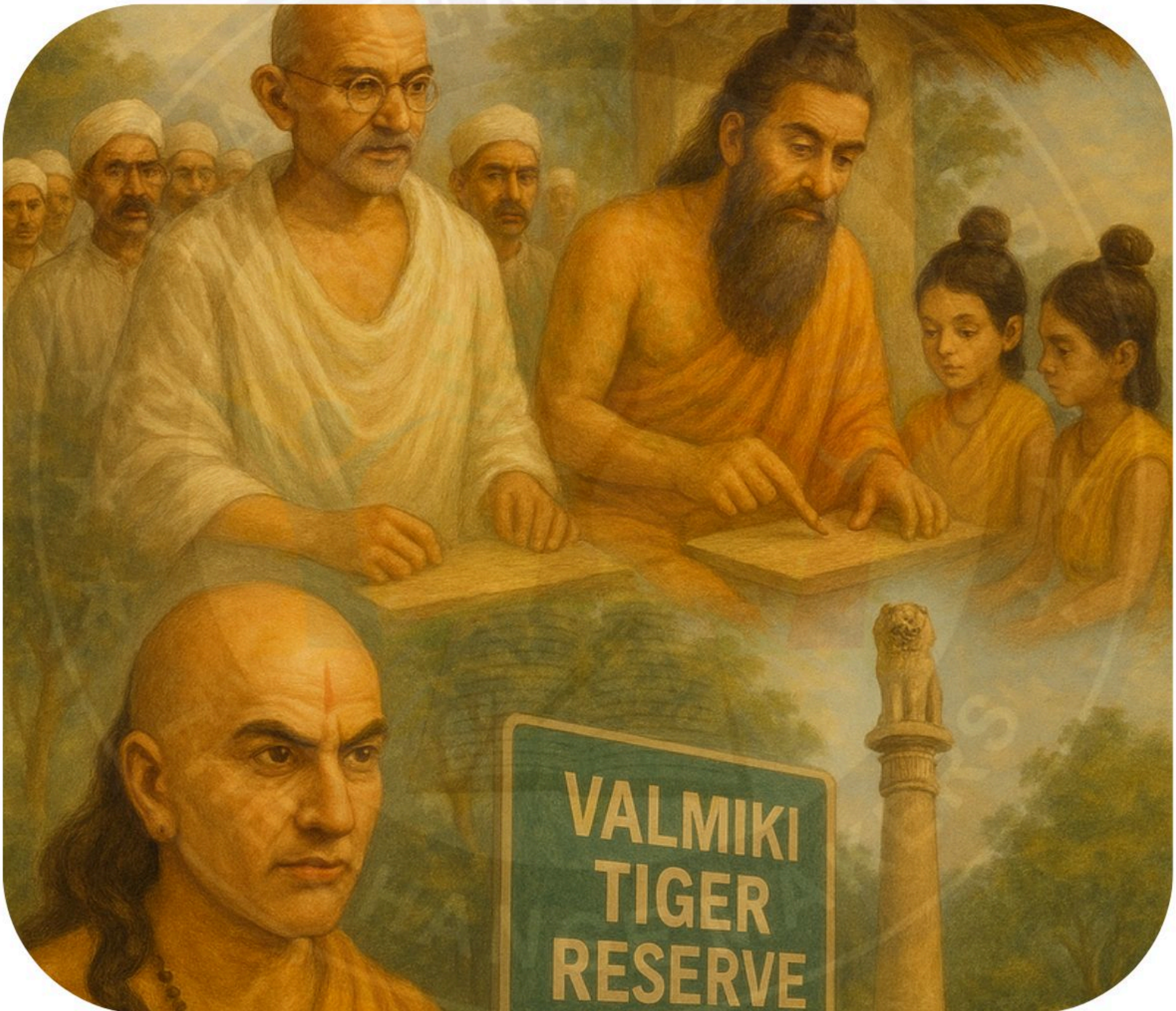

"लक्ष्य पर नजर रखो, रास्तों की कठिनाइयों पर नहीं।"

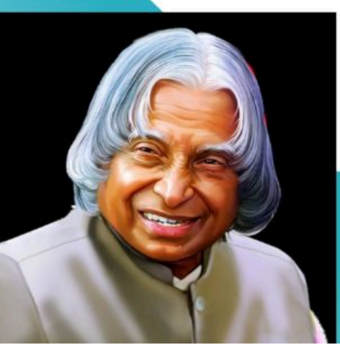

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. दक्षिण कोरिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: सियोल
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला नोबेल पुरस्कार विजेता कौन थीं?
उत्तर: मदर टेरेसा
प्रश्न 3. 'कालबेलिया' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या के अंक 3, 6, 9, 12... के गुणज का योग 3 से विभाज्य हो, तो वह संख्या किससे विभाज्य होगी?
उत्तर: 3
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'शेरशाह सूरी मकबरा' किस झील के मध्य स्थित है?
उत्तर: कृत्रिम झील
प्रश्न 6. सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: हरियाणा
प्रश्न 7. टेलीविजन का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: जॉन लॉगी बेयर्ड
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में बाल श्रम के निषेध का प्रावधान है?
उत्तर: अनुच्छेद 24
प्रश्न 9. 'आलसी' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: परिश्रमी
प्रश्न 10. पृथ्वी अपने अक्ष पर एक चक्कर लगभग कितने समय में पूरा करती है?
उत्तर: 24 घंटे

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Lion – (लायन) – शेर
Tiger – (टाइगर) – बाघ
Elephant – (एलिफ़ेंट) – हाथी
Horse – (हॉर्स) – घोड़ा
Cow – (काउ) – गाय
Goat – (गोट) – बकरी
Dog – (डॉग) – कुत्ता

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "हम ... नहीं सकते हैं" (We cannot / We can't ...)

हम तैर नहीं सकते हैं। – We cannot swim.
हम गाड़ी नहीं चला सकते हैं। – We cannot drive.
हम झूठ नहीं बोल सकते हैं। – We cannot tell a lie.
हम इतना ऊँचा नहीं कूद सकते हैं। – We cannot jump so high.
हम यह प्रश्न हल नहीं कर सकते हैं। – We cannot solve this question.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा0 प्रा0 वि0 शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 13 जुलाई को जम्मू-कश्मीर में कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है?
उत्तर: शहीद दिवस (Martyrs' Day)
व्याख्या: 13 जुलाई 1931 को जम्मू-कश्मीर के डोगरा शासक महाराजा हरि सिंह के शासन के विरुद्ध एक बड़े जन-आंदोलन के दौरान डोगरा सैनिकों ने भीड़ पर गोलियाँ चलाई जिसमें 22 कश्मीरी नागरिक शहीद हो गए। इस घटना को "कश्मीरी शहीदों का बलिदान" माना जाता है और यह आधुनिक कश्मीर के राजनीतिक जागरण का प्रतीक बनी। शेख मोहम्मद अब्दुल्ला के नेतृत्व में "नेशनल कॉन्फ्रेंस" आंदोलन इसी घटना के परिणामस्वरूप उभरा। 2019 में अनुच्छेद 370 के निराकरण के बाद जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से इस दिवस की राजकीय मान्यता में परिवर्तन हुआ है। यह घटना UPSC GS-I के आधुनिक भारत और कश्मीर इतिहास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT History Class 12, Ch 15 Framing the Constitution; Kashmir History — UPSC GS-I Reference; J&K Martyrs' Day Historical Records.

प्र.2. 11 जुलाई 2026 को भारतीय नौसेना में "INS महेंद्रगिरि" को कमीशन किया गया — यह किस परियोजना का हिस्सा है, किसने बनाया और इसकी प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?
उत्तर: प्रोजेक्ट 17A; माझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स
व्याख्या: INS महेंद्रगिरि (F38) भारतीय नौसेना का छठा "प्रोजेक्ट 17A" स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट है जिसे 11 जुलाई 2026 को विशाखापत्तनम में कमीशन किया गया। इसे "वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो" (WDB) ने डिजाइन किया और "माझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL), मुंबई" ने निर्मित किया। इसमें 75% से अधिक स्वदेशी सामग्री है — "आत्मनिर्भर भारत" का प्रत्यक्ष प्रतीक। इसमें CODOG प्रणोदन, स्टील्थ तकनीक, एकीकृत युद्ध प्रबंधन प्रणाली, सतह से सतह एवं सतह से वायु मिसाइल प्रणाली और पनडुब्बी-रोधी युद्ध प्रणाली सम्मिलित है। प्रोजेक्ट 17A में कुल 7 फ्रिगेट हैं जिनमें INS निलगिरि, INS उदयगिरि, INS तारागिरि, INS हिमगिरि, INS दुनागिरि, INS विंध्यागिरि सम्मिलित हैं।
संदर्भ: barristery.in Daily Current Affairs 7 July 2026

प्र.3. "काव्यादर्श" (Kavyadarsha) संस्कृत काव्यशास्त्र का एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है — इसके रचयिता कौन हैं जो "रीति संप्रदाय" के प्रवर्तक भी माने जाते हैं?
उत्तर: दण्डी
व्याख्या: "काव्यादर्श" (Kavyadarsha — Mirror of Poetry) संस्कृत आलोचनाशास्त्र का एक प्रमुख ग्रंथ है जिसे सातवीं-आठवीं शताब्दी के आचार्य दण्डी ने लिखा। इसमें काव्य की परिभाषा, काव्यगुण और 36 अलंकारों (Figures of Speech) का विस्तृत विवेचन किया गया है। दण्डी को "रीति संप्रदाय" (Style School) का प्रवर्तक भी माना जाता है। उन्होंने "गौड़ी" और "वैदर्भी" — दो प्रमुख काव्य-रीतियों का वर्णन किया। दण्डी की एक अन्य प्रसिद्ध रचना "दशकुमारचरित" (Dashakumaracharita) है जो संस्कृत गद्य साहित्य का उत्कृष्ट उदाहरण है। UPSC GS-I संस्कृत साहित्य और कला के अंतर्गत यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक है।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 7 Sanskrit Literature;

प्र.4. भारत की "सतत् विकास रिपोर्ट 2026" में भारत की रैंकिंग क्या है और इसमें किन SDG संकेतकों में भारत ने उल्लेखनीय सुधार किया?
उत्तर: 94वाँ स्थान (2025 में 99वाँ); स्वच्छ ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा
व्याख्या: "सतत् विकास रिपोर्ट 2026" (Sustainable Development Report 2026) में भारत 2025 के 99वें स्थान से सुधरकर 94वें स्थान पर पहुँचा है। इस रिपोर्ट में फिनलैंड प्रथम स्थान पर है। यह रिपोर्ट UN के 17 सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) पर देशों की प्रगति का मापन करती है। भारत ने मुख्यतः स्वच्छ ऊर्जा (SDG-7), स्वास्थ्य (SDG-3), गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (SDG-4) और गरीबी उन्मूलन (SDG-1) में उल्लेखनीय सुधार किया है। "जीवाश्म ईंधन से हरित ऊर्जा की ओर संक्रमण" में भारत वैश्विक स्तर पर एक उल्लेखनीय उदाहरण बन रहा है। हालाँकि असमानता (SDG-10) और जलवायु कार्रवाई (SDG-13) में अभी और प्रयास आवश्यक हैं।
संदर्भ: barristery.in Daily Current Affairs 9 July 2026;

प्र.5. "बक्सर का युद्ध" (Battle of Buxar, 1764) में अंग्रेजों ने तीन भारतीय शक्तियों के गठबंधन को पराजित किया — वे तीन शक्तियाँ कौन थीं?
उत्तर: मीर कासिम, शुजाउद्दौला, शाह आलम II
व्याख्या: 1764 में बक्सर (वर्तमान बिहार में गंगा के तट पर) के युद्ध में ईस्ट इंडिया कंपनी के सेनापति हेक्टर मुनरो ने तीन शक्तियों के गठबंधन को पराजित किया: (1) बंगाल के नवाब मीर कासिम — जिन्होंने कंपनी के व्यापार विशेषाधिकारों का विरोध किया था, (2) अवध के नवाब शुजाउद्दौला, और (3) मुगल सम्राट शाह आलम II। इसके बाद 1765 में "इलाहाबाद की संधि" हुई जिसमें कंपनी को बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी (राजस्व संग्रह का अधिकार) मिली। प्लासी (1757) ने अंग्रेजों को राजनीतिक शक्ति दी और बक्सर (1764) ने उन्हें आर्थिक शक्ति। बक्सर का युद्ध चंपारण क्षेत्र के निकट हुआ — यह बिहार के इतिहास की महत्वपूर्ण घटना है।
संदर्भ: NCERT History Class 8, Ch 2 From Trade to Territory, p. 23–25;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में "कोरोमंडल तट" (Coromandel Coast) किस राज्य के पूर्वी तट को कहते हैं और यह किस खाड़ी के किनारे स्थित है?

उत्तर: तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश; बंगाल की खाड़ी

व्याख्या: "कोरोमंडल तट" भारत के दक्षिण-पूर्वी तट को कहते हैं जो मुख्यतः तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में बंगाल की खाड़ी के किनारे विस्तृत है। यह तट कावेरी डेल्टा से लेकर कृष्णा-गोदावरी डेल्टा तक फैला है। यहाँ उत्तर-पूर्वी मानसून (अक्टूबर-दिसंबर) से सर्वाधिक वर्षा होती है। "मालाबार तट" (पश्चिमी) और "कोरोमंडल तट" (पूर्वी) — ये दोनों मिलकर भारत के प्रायद्वीपीय तटीय भूगोल को परिभाषित करते हैं। ऐतिहासिक रूप से यह क्षेत्र पुर्तगाली, डच, फ्रेंच और ब्रिटिश व्यापार का केंद्र था। चेन्नई (मद्रास) यहाँ का प्रमुख बंदरगाह नगर है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 2 Physical Features of India, p. 16

प्र.7. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 338 के अंतर्गत "राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग" (NCSC) का गठन होता है — इसके अध्यक्ष की नियुक्ति कौन करता है और इसके प्रमुख कार्य क्या हैं?

उत्तर: राष्ट्रपति; अनुसूचित जातियों के अधिकारों का संरक्षण

व्याख्या: अनुच्छेद 338 के तहत "राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग" (National Commission for Scheduled Castes — NCSC) की स्थापना होती है। इसके अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। इसके प्रमुख कार्य हैं: (1) SC के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों की निगरानी, (2) अत्याचार एवं भेदभाव की शिकायतों की जाँच, (3) SC के सामाजिक-आर्थिक विकास की योजना में भागीदारी। 89वें संविधान संशोधन (2003) द्वारा मूल आयोग को दो भागों में विभाजित किया गया — एक SC के लिए (अनु. 338) और दूसरा ST के लिए (अनु. 338A)। यह आयोग SC/ST (Prevention of Atrocities) Act, 1989 के कार्यान्वयन पर भी नज़र रखता है।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 11 — Indian Constitution at Work, Ch 9 Rights in the Indian Constitution;

प्र.8. "FIFA विश्व कप 2026" का आयोजन किन तीन देशों में हो रहा है और इस संस्करण में पहली बार कुल कितनी टीमें भाग ले रही हैं?

उत्तर: अमेरिका, कनाडा, मेक्सिको; 48 टीमें

व्याख्या: FIFA विश्व कप 2026 का आयोजन संयुक्त रूप से अमेरिका (USA), कनाडा और मेक्सिको में हो रहा है। यह पहला FIFA विश्व कप है जो तीन देशों में संयुक्त रूप से आयोजित हो रहा है। इस संस्करण में पहली बार 48 राष्ट्रीय टीमें भाग ले रही हैं जबकि पूर्व के संस्करणों में 32 टीमें होती थीं। कुल 16 मेजबान शहरों में से 11 अमेरिका में, 3 कनाडा में और 2 मेक्सिको में हैं। इस संस्करण के प्रमुख समाचार: स्पेन ने क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया, ब्राजील के बाहर होने पर नेमार ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लिया। FIFA विश्व कप 1930 में पहली बार उरुग्वे में आयोजित हुआ था।

संदर्भ: barristery.in Current Affairs 7 July 2026;

प्र.9. "मधुबनी चित्रकला" (Madhubani Painting) बिहार के किस क्षेत्र की लोक-चित्र शैली है और इसे "GI Tag" (भौगोलिक संकेतक) किस वर्ष मिला?

उत्तर: मिथिलांचल (दरभंगा-मधुबनी); 2007

व्याख्या: मधुबनी चित्रकला (जिसे "मिथिला पेंटिंग" भी कहते हैं) बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र — विशेषतः मधुबनी और दरभंगा जिलों — की एक प्राचीन लोक-चित्र परंपरा है। परंपरागत रूप से यह विवाह और त्योहारों के अवसर पर महिलाओं द्वारा दीवारों और भूमि पर बनाई जाती थी। इसमें प्राकृतिक रंगों और रेखाओं की बाहुलता होती है। कागज और कपड़े पर बनाई जाने वाली यह चित्रकला 1966 के बिहार अकाल के दौरान तब राष्ट्रीय पहचान पाई जब पत्रकार भास्कर कुलकर्णी ने इसे प्रकाश में लाया। 2007 में इसे "GI Tag" (Geographical Indication) प्राप्त हुआ। यह UNESCO की "अमूर्त सांस्कृतिक विरासत" की संभावित सूची में है।

संदर्भ: GI Registry India — Madhubani Painting, 2007; Bihar Craft Heritage — SCERT Bihar

प्र.10. बिहार में किस ऐतिहासिक स्थल पर "अजातशत्रु" ने मगध साम्राज्य की राजधानी बसाई थी और यह बौद्ध धर्म के दूसरे संगीति का भी स्थल है?

उत्तर: राजगीर (राजगृह)

व्याख्या: राजगीर (प्राचीन "राजगृह") बिहार के नालंदा जिले में स्थित है। यह मगध महाजनपद की प्राचीन राजधानी थी। अजातशत्रु (492-460 ईपू) ने यहीं से विशाल मगध साम्राज्य का विस्तार किया। द्वितीय बौद्ध संगीति (383 ईपू) यहीं आयोजित हुई थी जिसमें बौद्ध धर्म के "विनय पिटक" और "सुत्त पिटक" को संकलित किया गया। राजगीर महावीर स्वामी से भी जुड़ा है। "विश्व शांति स्तूप" (जापान सरकार द्वारा निर्मित), "सप्तपर्णी गुफा" और "वेणुवन" (भगवान बुद्ध का प्रवास स्थल) यहाँ के प्रमुख स्थल हैं। आधुनिक "नालंदा विश्वविद्यालय" (पुनर्स्थापित, 2014) भी राजगीर में है।

संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 5 Kingdoms Kings and Early Republic, p. 56–60;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, बाढ़ के दौरान विद्यालय के शिक्षक "आपदा प्रतिक्रिया टीम" (School Disaster Response Team) में किन भूमिकाओं में काम करते हैं?

उत्तर: निकासी प्रमुख, प्राथमिक चिकित्सा, संचार, छात्र गणना

व्याख्या: BSDMA के मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यालय में "School Disaster Response Team (SDRT)" गठित करने का निर्देश है जिसमें शिक्षक निम्न भूमिकाएँ निभाते हैं: (1) निकासी प्रमुख — बाढ़ पूर्व-चेतावनी पर बच्चों को व्यवस्थित रूप से सुरक्षित स्थान की ओर ले जाते हैं, (2) प्राथमिक चिकित्सा प्रभारी — घायल या बीमार बच्चों का प्राथमिक उपचार करते हैं, (3) संचार प्रभारी — जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी, स्थानीय प्रशासन एवं अभिभावकों से संपर्क बनाए रखते हैं, (4) छात्र गणना प्रभारी — यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी बच्चा छूट न जाए। उत्तर बिहार के चंपारण, गोपालगंज, सीतामढ़ी जैसे बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में यह टीम संरचना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संदर्भ: BSDMA — School Disaster Response Team Guidelines, Vidyalaya Suraksha Karyakram; bsdma.org

प्र.12. एक व्यापारी ने कोई वस्तु ₹800 में खरीदी और उसे ₹1,000 में बेच दी। उसे कितने प्रतिशत लाभ हुआ? यदि वह उसे ₹720 में बेचता तो कितने प्रतिशत हानि होती?

उत्तर: 25% लाभ; 10% हानि

व्याख्या: लाभ की स्थिति: क्रय मूल्य (CP) = ₹800, विक्रय मूल्य (SP) = ₹1,000। लाभ = SP − CP = 1000 − 800 = ₹200। लाभ % = (लाभ/CP) × 100 = (200/800) × 100 = 25%। हानि की स्थिति: SP = ₹720, CP = ₹800। हानि = CP − SP = 800 − 720 = ₹80। हानि % = (हानि/CP) × 100 = (80/800) × 100 = 10%। यह "लाभ-हानि प्रतिशत" (Profit & Loss Percentage) का एक द्विआयामी प्रश्न है जो BPSC, SSC, Railway, Bank PO सभी परीक्षाओं में अत्यंत प्रचलित है। स्मरणीय सूत्र: लाभ/हानि % सदैव CP पर निकाली जाती है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 Comparing Quantities — Profit and Loss, p. 155–

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

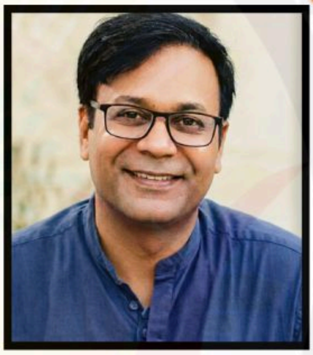

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Wary (वेरी) = Vigilant (विजिलेन्ट) = सतर्क / सावधान
 Antonym – Reckless (रेकलेस) = लापरवाह

Abstain (अब्सटेन) = Refrain (रिफ्रेन) = परहेज़ करना / विरत रहना
 Antonym – Indulge (इन्डल्ज) = लिप्त होना

Candid (कैंडिड) = Frank (फ्रैंक) = स्पष्टवादी / निष्कपट
 Antonym – Deceptive (डिसेप्टिव) = भ्रामक / कपटी

Discreet (डिस्क्रीट) = Prudent (प्रूडेन्ट) = विवेकशील / सावधान
 Antonym – Indiscreet (इन्डिस्क्रीट) = अविवेकी / असावधान

Futile (फ्यूटाइल) = Vain (वेन) = व्यर्थ / निष्फल
 Antonym – Fruitful (फ्रूटफुल) = फलदायक

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. PM Modi Concludes Historic Three-Nation Tour; India-New Zealand Ties Elevated to Strategic Partnership with 18 Key Outcomes

हिन्दी अनुवाद: PM मोदी की ऐतिहासिक तीन-राष्ट्र यात्रा (इंडोनेशिया-ऑस्ट्रेलिया-न्यूज़ीलैंड) संपन्न; भारत-न्यूज़ीलैंड संबंध 'रणनीतिक साझेदारी' तक उन्नत; 18 प्रमुख समझौते।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 जुलाई को न्यूज़ीलैंड के ऑकलैंड से भारत के लिए प्रस्थान करने के साथ ऐतिहासिक तीन-राष्ट्र यात्रा संपन्न की — इंडोनेशिया (7 जुलाई), ऑस्ट्रेलिया (8-10 जुलाई) और न्यूज़ीलैंड (10-11 जुलाई)। ऑकलैंड में न्यूज़ीलैंड PM क्रिस्टोफर लक्सन के साथ सरकारी भवन में बातचीत के बाद पारंपरिक माओरी स्वागत हुआ तथा भारत-न्यूज़ीलैंड संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' में उन्नत किया गया। 18 समझौतों में रक्षा एवं समुद्री सुरक्षा, जल-वर्णन (Hydrography), खेल, आपदा प्रबंधन, डेयरी, पर्यटन, समुद्री विरासत, संस्कृति, खाद्य प्रौद्योगिकी और महासागर अनुसंधान शामिल हैं।

2. Second Padma Awards 2026 Investiture Ceremony: Rohit Sharma, Alka Yagnik, Vijay Amritraj, Mammootty Among 65 Honoured

हिन्दी अनुवाद: पद्म पुरस्कार 2026 का द्वितीय नागरिक अलंकरण समारोह: रोहित शर्मा, अलका याग्निक, विजय अमृतराज, मम्मूटी सहित 65 विभूतियाँ सम्मानित।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में पद्म पुरस्कार 2026 का द्वितीय नागरिक अलंकरण समारोह आयोजित किया जिसमें 65 पुरस्कार प्रदान किए गए — 2 पद्म विभूषण, 7 पद्म भूषण और 56 पद्म श्री। प्रमुख पुरस्कार: टेनिस दिग्गज विजय अमृतराज (पद्म भूषण — खेल); गायिका अलका याग्निक (पद्म भूषण — कला); अभिनेता मम्मूटी (पद्म भूषण — कला); क्रिकेटर रोहित शर्मा (पद्म श्री — खेल); डॉ. अर्मिदा फर्नांडीस (पद्म श्री — चिकित्सा); हॉकी खिलाड़ी सविता पुनिया (पद्म श्री); Vladimir Mestvirishvili (मरणोपरांत पद्म श्री — पहले विदेशी कोच जिन्हें पद्म सम्मान)। पुरस्कार 1954 में स्थापित किए गए थे; 2026 के कुल 131 पुरस्कारों में 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री शामिल हैं।

3. NAMASTE Day to Be Marked on July 14 in Kolkata; Ministry of Social Justice Highlights Sewer Worker Safety Scheme

हिन्दी अनुवाद: सामाजिक न्याय मंत्रालय 14 जुलाई को कोलकाता में तीसरा NAMASTE दिवस मनाएगा; सीवर सफाई कर्मियों की सुरक्षा योजना पर ज़ोर।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय 14 जुलाई 2026 को कोलकाता में तीसरा NAMASTE (National Action for Mechanised Sanitation Ecosystem) दिवस मनाएगा। NAMASTE योजना का उद्देश्य सीवर एवं सेप्टिक टैंक सफाई कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, मानव मलमूत्र की खतरनाक सफाई को यांत्रिक तरीकों से प्रतिस्थापित करना और इन श्रमिकों को वैकल्पिक आजीविका के अवसर प्रदान करना है। यह योजना UPSC/BPSC के सामाजिक न्याय, अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) और Swachh Bharat Mission के अंतर्गत परीक्षाओं में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

INTERNATIONAL NEWS

1. Iran's New Supreme Leader Mojtaba Khamenei Issues Warning; Vows Revenge as Middle East Tensions Remain High

हिन्दी अनुवाद: ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की चेतावनी; बदले का संकल्प दोहराया — मध्य पूर्व में तनाव अभी भी चरम पर।

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई — जो 8 मार्च 2026 को Assembly of Experts द्वारा चुने गए हैं — ने 12 जुलाई को बयान जारी कर अपने पिता (अली खामेनेई, जो 28 फरवरी 2026 को अमेरिका-इज़राइली हमले में मारे गए) की हत्या का बदला लेने का संकल्प दोहराया। मोजतबा अभी तक किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नहीं दिखे हैं — विश्लेषकों का कहना है वे चोटिल होने के कारण अदृश्य हैं। 60-दिवसीय युद्धविराम के तहत अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता जारी है परंतु IAEA ने ईरान के परमाणु स्थलों पर निगरानी में "गंभीर गिरावट" की रिपोर्ट दी है। ब्रिटेन ने IRGC को लक्षित करने वाला नया कानूनी ढाँचा लागू किया है।

2. Global Climate Crisis: Europe Wildfires and Heatwave Combine; France Reports 1,300+ Heat Deaths

हिन्दी अनुवाद: वैश्विक जलवायु संकट: यूरोप में जंगल की आग और लू का दोहरा प्रहार; फ्रांस में 1,300 से अधिक लू से मौतें — UN ने आपातकालीन जलवायु बैठक बुलाई।

यूरोप अभूतपूर्व जलवायु संकट से जूझ रहा है — एक ओर फ्रांस के दक्षिण में ऑड और हेरो क्षेत्रों में भीषण जंगल की आग है, दूसरी ओर लू की लहर से 1,300 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। UN ने एक आपातकालीन बैठक बुलाई है जिसमें जलवायु अनुकूलन कोष को तत्काल बढ़ाने और Extreme Heat Action Plan को वैश्विक स्तर पर लागू करने पर चर्चा होगी। वैज्ञानिकों ने कहा — "ये घटनाएं मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के बिना इतनी गंभीर नहीं होतीं।"

3. India-Rwanda 2nd Joint Defence Cooperation Committee Meeting Concludes in New Delhi

हिन्दी अनुवाद: भारत-रवांडा द्वितीय संयुक्त रक्षा सहयोग समिति बैठक नई दिल्ली में संपन्न; द्विपक्षीय सैन्य सहयोग का विस्तार।

PIB की पुष्टि के अनुसार भारत और रवांडा के बीच 7 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में दूसरी संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (JDCC) बैठक संपन्न हुई जिसमें द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी का विस्तार करने पर सहमति बनी। रवांडा अफ्रीका में भारत के बढ़ते रणनीतिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है — भारत IBSA (India-Brazil-South Africa) और अफ्रीकी संघ में रवांडा के साथ सहयोग करता है। यह समाचार प्रतियोगी परीक्षाओं में भारत की विदेश नीति एवं अफ्रीका संबंध खंड के लिए महत्वपूर्ण है।

BIHAR NEWS

1. Bihar CM Samrat Choudhary Chairs High-Level Flood Review Meeting; 12 Districts Under Severe Flood

हिन्दी अनुवाद: बिहार CM सम्राट चौधरी की बाढ़ पर उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक; 12 ज़िले गंभीर बाढ़ अलर्ट पर — राहत कार्य युद्धस्तर पर।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (BJP) ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की। उपमुख्यमंत्री एवं जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने 9 जुलाई को पटना के सिंचाई भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी बाढ़ परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं से क्षेत्रवार तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया और कटाव-निरोधक सभी शेष कार्य तत्काल पूरे करने का निर्देश दिया — "किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।" पश्चिम चम्पारण (बगहा-बेतिया), पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, गोपालगंज, सारण, सीवान और शिवहर सहित 12 ज़िले गंभीर बाढ़ अलर्ट पर हैं। गंगा, गंडक, कोसी, बागमती और महानंदा नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

2. BPSC 72nd CCE Prelims on July 26: Hall Tickets Available; 1,142 Posts, New MCQ Option 'E' in Force

हिन्दी अनुवाद: BPSC 72वीं CCE: 26 जुलाई को परीक्षा; प्रवेश पत्र जारी; 1,142 पद — MCQ में नया 5वाँ विकल्प 'E' सक्रिय।

BPSC 72वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा 26 जुलाई 2026 (रविवार) को आयोजित होगी — कुल 1,142 पद (SDO, DSP, District Commandant, Sub Registrar आदि)। प्रवेश पत्र bpsc.bihar.gov.in पर उपलब्ध है — परीक्षा केंद्र, समय और अनुक्रमांक की जाँच अभी करें। विशेष सूचना: MCQ में नया 5वाँ विकल्प 'E' (Not Attempted) लागू है — यह गलत उत्तर से अलग है; इसे समझकर परीक्षा दें। बांकीपुर उपचुनाव (30 जुलाई) की आचार संहिता से BPSC परीक्षा प्रभावित नहीं होगी।

SPORTS NEWS

1. World Cup Semis Set: England Beat Norway 2-1 (AET) via Bellingham Brace; Argentina Survive Switzerland 3-1 (AET) — England vs Argentina on July 15 in Atlanta

हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप: इंग्लैंड ने नॉर्वे को 2-1 (अतिरिक्त समय) से हराया; अर्जेंटीना ने स्विट्ज़रलैंड को 3-1 (अतिरिक्त समय) से पराजित किया — 15 जुलाई को Atlanta में England-Argentina महासंग्राम।

11 जुलाई को दोनों क्वार्टर-फाइनल रोमांचक रहे। इंग्लैंड बनाम नॉर्वे (Miami): नॉर्वे ने Schjelderup के शानदार गोल से बढ़त बनाई, लेकिन Jude Bellingham ने 44वें मिनट में बराबरी और 111वें मिनट में विजयी गोल कर इंग्लैंड को 2-1 से जीत दिलाई। अर्जेंटीना बनाम स्विट्ज़रलैंड (Kansas City): Mac Allister (10') के गोल के बाद Ndoye (67') ने बराबरी की; 10-man स्विट्ज़रलैंड (Embolo को दो पीले कार्ड) ने ज़बरदस्त प्रतिरोध किया, पर Julián Alvarez का 112वें मिनट का गोलाज़ो (दूरस्थ शॉट) और Lautaro Martinez का अतिरिक्त समय में तीसरा गोल निर्णायक रहा। सेमीफाइनल: 14 जुलाई (Dallas): फ्रांस बनाम स्पेन; 15 जुलाई (Atlanta): इंग्लैंड बनाम अर्जेंटीना। फाइनल: 19 जुलाई, MetLife Stadium, New Jersey।

2. FIFA WC Golden Boot Race: Mbappe (8 Goals, 3 Assists), Messi (8 Goals, 3 Assists) — Perfect Tie Ahead of Semis; Haaland & Bellingham in Hunt Too

हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप गोल्डन बूट दौड़: एम्बापे और मेसी 8-8 गोल पर बराबर — सेमीफाइनल से पहले रोमांचक मुकाबला; हालैंड और बेलिंघम भी दौड़ में।

वर्तमान गोल्डन बूट दौड़: किलियन एम्बापे (फ्रांस) — 8 गोल, 3 असिस्ट; लिओनेल मेसी (अर्जेंटीना) — 8 गोल, 3 असिस्ट; एर्लिंग हालैंड (नॉर्वे, बाहर) — 7 गोल; Jude Bellingham (इंग्लैंड) — 6 गोल। एम्बापे के 20 करियर विश्व कप गोल हैं — मेसी के 21 से 1 पीछे। स्पेन बनाम बेल्जियम (10 जुलाई): स्पेन ने 2-1 से जीता; Pau Cubarsí के 88वें मिनट के लंबी दूरी के शॉट ने मैच पलटा — यह टूर्नामेंट का 'Goal of the Tournament' उम्मीदवार है। अब चारों सेमीफाइनलिस्ट — फ्रांस, स्पेन, इंग्लैंड, अर्जेंटीना — FIFA रैंकिंग में क्रमशः 1, 3, 4 और 2 पर हैं; यह इतिहास में पहली बार है जब शीर्ष-4 रैंकिंग टीमें विश्व कप सेमीफाइनल में एक साथ हैं।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🌟 "पढ़ोगे तो बढ़ोगे, जानोगे तो पहचाने जाओगे।"

ज्ञान ही वह शस्त्र है जो हर परीक्षा में विजय दिलाता है — अध्ययन जारी रखें।

प्रेरक प्रसंग

पत्थर की सीख

विद्यालय में विज्ञान की कक्षा चल रही थी। गीता मैडम बच्चों को विद्यालय के बगीचे में ले गईं। वहाँ उन्होंने ज़मीन से दो पत्थर उठाए। एक साधारण-सा, धूल से भरा पत्थर था और दूसरा चमकदार दिखाई दे रहा था।

मैडम ने पूछा, "बताओ बच्चों, इनमें से अधिक मूल्यवान कौन होगा?"
लगभग सभी बच्चों ने चमकदार पत्थर की ओर इशारा किया।
मैडम मुस्कुराईं। उन्होंने दोनों पत्थरों को पानी से धोया। फिर बोलीं, "जो पत्थर आज चमक रहा है, वह भी कभी बिल्कुल साधारण था। वर्षों तक धरती के भीतर दबाव, ताप और प्रकृति की अनगिनत प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद ही इसकी पहचान बनी है।"
अनिकेत ने उत्सुकता से पूछा, "मैडम, क्या इंसान भी ऐसा बन सकता है?"
गीता मैडम ने उत्तर दिया, "बिल्कुल। परीक्षा की कठिन तैयारी, असफलता से सीखना, अनुशासन, मेहनत और धैर्य—यही वे दबाव हैं, जो एक साधारण विद्यार्थी को असाधारण बना देते हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "जो विद्यार्थी कठिनाइयों से घबराकर बीच में ही हार मान लेते हैं, वे अधूरे रह जाते हैं। लेकिन जो हर चुनौती को सीखने का अवसर मानते हैं, वे एक दिन हीरे की तरह चमकते हैं।"

उस दिन विद्यालय से लौटते समय अनिकेत ने रास्ते से एक छोटा-सा पत्थर उठाया और अपने अध्ययन कक्ष की मेज़ पर रख दिया।
जब भी पढ़ाई कठिन लगती, वह उस पत्थर को देखकर स्वयं से कहता—
"यदि एक साधारण पत्थर समय और संघर्ष से अनमोल बन सकता है, तो मैं भी निरंतर प्रयास से अपने जीवन को सफल बना सकता हूँ।"

सीख : मनुष्य की पहचान उसके वर्तमान से नहीं, बल्कि उसके निरंतर प्रयास, धैर्य और सीखने की इच्छा से बनती है।
संघर्ष का हर क्षण हमें तराशता है और एक दिन वही हमें अनमोल बना देता है।

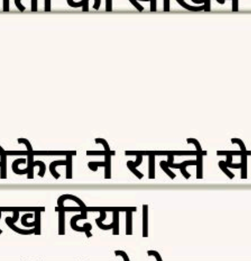

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विषय: 'बाला' (BALA) पेंटिंग तकनीक — ईंट-पत्थरों को ज्ञान का साधन बनाना

शिक्षक साथियों, अक्सर जब हम किसी सरकारी स्कूल की दीवारों को देखते हैं, तो वे या तो सूनी होती हैं या फिर उन पर केवल विभागीय निर्देश या स्लोगन लिखे होते हैं, जिन्हें बच्चे कभी मुड़कर भी नहीं देखते। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) और आधुनिक शिक्षाशास्त्र एक बेहद क्रांतिकारी अवधारणा की वकालत करते हैं जिसे 'बाला' (Building As a Learning Aid - BALA) कहा जाता है। इसका सीधा सा अर्थ है– "एक शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में भवन का उपयोग।" इस तकनीक के अंतर्गत स्कूल के पूरे भौतिक ढांचे (दीवारें, फर्श, खंभे, खिड़कियां, दरवाजे, सीढ़ियां) को इस तरह से डिजाइन या पेंट किया जाता है कि वे बच्चों के लिए तीन-आयामी (3D) लर्निंग टूल बन जाएं।

मनोविज्ञान कहता है कि प्राथमिक स्तर के बच्चे अपने परिवेश से अनजाने में ही बहुत कुछ सीखते हैं, जिसे हम 'अप्रत्यक्ष अधिगम' (Implicit Learning) कहते हैं। जब एक बच्चा खेल-खेल में स्कूल की दीवारों को छूता है या फर्श पर चलता है, तो वह अमूर्त (Abstract) अवधारणाओं को बहुत आसानी से अपने मस्तिष्क में बिठा लेता है। इस तकनीक की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह 24 घंटे उपलब्ध रहने वाला एक ऐसा टीएलएम है जो कभी खराब नहीं होता और जिसके लिए शिक्षक को रोज़ अलग से मेहनत नहीं करनी पड़ती।

उदाहरण:

आइए इसे अपने प्राथमिक विद्यालय के कुछ बेहद व्यावहारिक और कम लागत वाले 'बाला' प्रयोगों से समझते हैं:

- 1. कक्षा का दरवाजा (कोण मापक): कक्षा के मुख्य दरवाजे के नीचे फर्श पर एक अर्धवृत्ताकार (Semi-circle) प्रोटेक्टर (चांदा) पेंट कर दिया जाता है। जब दरवाजा 90 डिग्री पर खुलता है, तो नीचे लिखा होता है 90° (समकोण)। जब थोड़ा कम खुलता है, तो 45° (न्यूनकोण) और पूरा खुलने पर 180° (ऋजुकोण)। बच्चे दिन भर में जितनी बार दरवाजा खोलते या बंद करते हैं, वे कोणों के प्रकार को साक्षात् बदलते हुए देखते हैं।
- 2. स्कूल की सीढ़ियाँ (आरोही-अवरोही क्रम): स्कूल के बरामदे या छत पर जाने वाली सीढ़ियों पर नीचे से ऊपर की ओर बढ़ते हुए अंक लिखे होते हैं (1, 2, 3...) और साथ में लिखा होता है आरोही क्रम (Ascending Order)। ऊपर से नीचे उतरते समय वही अंक घटते क्रम में दिखते हैं जहाँ लिखा होता है अवरोही क्रम (Descending Order)। बच्चे जब भी सीढ़ियों पर चढ़ते-उतरते हैं, वे गणित के इस कठिन नियम को अपने पैरों की गति से सीख लेते हैं।
- 3. बरामदे के खंभे और फर्श (मापन और सौरमंडल): बरामदे के गोल खंभों पर पेड़ के तने की तरह ऊंचाई नापने वाला स्केल (सेंटीमीटर और फीट में) पेंट कर दिया जाता है, जहाँ बच्चे रोज़ खड़े होकर एक-दूसरे की लंबाई नापते हैं। फर्श पर सांप-सीढ़ी का बड़ा खेल या सौरमंडल का चित्र बना दिया जाता है, जहाँ मध्याह्न भोजन (Mid-day Meal) के बाद बच्चे खुद 'ग्रह' बनकर घूमते हैं।

शिक्षक साथियों, 'बाला' तकनीक को अपने स्कूल में लागू करते समय हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि दीवारों पर की गई पेंटिंग केवल सुंदर दिखने वाली 'सजावट' न हो, बल्कि वह 'संवादात्मक' (Interactive) हो। चित्र बच्चों की आंख और हाथ की ऊंचाई (Eye & Hand Level) पर होने चाहिए ताकि वे उन्हें छू सकें, उन पर चॉक चला सकें या उनके साथ खेल सकें। उदाहरण के लिए, दीवार के निचले हिस्से पर 'ब्लैकबोर्ड पेंट' की एक पट्टी लगा देना, जहाँ बच्चे स्वतंत्र रूप से चित्र बना सकें या सुलेख लिख सकें, इस तकनीक का एक बेहतरीन उदाहरण है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमारा पूरा स्कूल परिसर ही एक खुली हुई किताब होना चाहिए। जब स्कूल का कोना-कोना ज्ञान की बातें बोलने लगता है, तो बच्चों के लिए स्कूल आना एक आनंदमयी अनुभव बन जाता है। आज चिंतन कीजिएगा कि आपके स्कूल की कौन सी ऐसी सूनी दीवार या फर्श है, जिसे कल आप बच्चों के लिए एक मज़ेदार खेल और ज्ञान के केंद्र में बदल सकते हैं?

..................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे युरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : खगड़िया, अंक–2"

'संपादकीय'

कात्यायनी स्थान का पौराणिक वैभव, फरकिया का प्रतिरोध और चेतना के अनसुने नायक

खगड़िया का इतिहास केवल प्रशासनिक सीमाओं में नहीं सिमटा है, बल्कि इसकी जड़ें प्राचीन अंग और मिथिला साम्राज्य के सीमांतों से जुड़ी हैं। इस जिले की सबसे बड़ी सांस्कृतिक और पौराणिक पहचान कात्यायनी स्थान (धामा) है, जो बागमती, कोसी और काली कोसी नदियों के दुर्गम संगम के बीच स्थित है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यहाँ माता सती का दाहिना चरण गिरा था, जिसके कारण यह ५१ शक्तिपीठों में से एक अत्यंत जाग्रत शाक्त केंद्र है। लोक-कथाओं के अनुसार, महाभारत काल में अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने इस दुर्गम कछार में शरण ली थी और माता कात्यायनी की पूजा की थी। यह स्थल सदियों तक घने जंगलों और उफनती नदियों के बीच स्थित होने के कारण तांत्रिक साधना का एक गुप्त केंद्र रहा, जो आज भी संपूर्ण कोसी और अंग क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए अगाध श्रद्धा का मुकुटमणि है।

ऐतिहासिक दृष्टि से खगड़िया की पहचान 'फरकिया के अदम्य प्रतिरोध' की रही है। मुग़ल काल से लेकर ब्रिटिश हुकूमत तक, यहाँ का भूगोल ही यहाँ के लोगों का सबसे बड़ा किला था। दलदली ज़मीन, हिंसक जलीय जीवों और सात नदियों के चक्रव्यूह के कारण दिल्ली और पटना के शासक इस क्षेत्र पर कभी सीधा कर (Tax) वसूल नहीं पाए। ब्रिटिश काल में जब नीलहे साहबों ने इस क्षेत्र में पैर पसारने की कोशिश की, तो अलौली और चौथम के किसानों ने लाठियों और पारंपरिक हथियारों के बल पर उनका पुरज़ोर प्रतिरोध किया। फरकिया का यह बागी चरित्र यहाँ की नदियों के उग्र स्वभाव से मेल खाता है, जिसने यहाँ के जनमानस में अन्याय के खिलाफ कभी न झुकने वाला एक जन्मजात स्वाभिमान भर दिया।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के स्वर्णिम इतिहास में खगड़िया की क्रांतिकारी चेतना अग्रिम पंक्ति में धधक रही थी। सन 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान खगड़िया एक प्रमुख रणनीतिक केंद्र बन गया था। जब समूचे देश में रेल पटरियों को उखाड़ने की मुहिम चल रही थी, तब यहाँ के स्थानीय क्रांतिकारियों ने मानसी और खगड़िया स्टेशनों के बीच रेल संचार को पूरी तरह ठप कर दिया ताकि ब्रिटिश सेना असम और पूर्वोत्तर भारत की ओर न बढ़ सके। इस आंदोलन में मथुरा प्रसाद सिंह और केदारनारायण सिंह जैसे अनसुने जन-नायकों ने भूमिगत रहकर 'आजाद दस्ता' के क्रांतिकारियों को कोसी और बागमती के सुदूर दियारा टापुओं (जैसे पसराहा और बेलदौर के कछार) में सुरक्षित पनाहगाह और रसद उपलब्ध कराई, जहाँ ब्रिटिश पुलिस कदम रखने से भी कांपती थी।

उत्तर-स्वतंत्रता काल में राजनैतिक और सामाजिक चेतना के धरातल पर खगड़िया ने देश को समाजवादी आंदोलन के कद्दावर हस्ताक्षर सौंपे। इस मिट्टी से निकले जन-नायकों ने बिहार विधानसभा और भारतीय संसद में शोषितों, खेतिहर मजदूरों और बाढ़ पीड़ितों की आवाज़ को हमेशा बुलंद किया। अलौली प्रखंड के सुदूर गाँवों से उभरी राजनैतिक चेतना ने राज्य की राजनीति को सामाजिक न्याय के एक नए आयाम से जोड़ा। साहित्य और लोक-कला के क्षेत्र में भी यहाँ के स्थानीय कवियों ने बज्जिका, मैथिली और अंगिका के मिश्रण वाली अनूठी लोक-भाषा में कालजयी लोक-गीतों की रचना की, जो आज भी दियारा के रातों में नाव खेते मल्लाहों और खेतों में काम करते किसानों की थकावट मिटाने वाले सबसे बड़े संबल हैं।

खगड़िया का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यहाँ की मिट्टी में विपरीत परिस्थितियों से टकराने और अपना रास्ता खुद बनाने का एक अद्भुत सामर्थ्य है। कात्यायनी धाम का शिवत्व-शाक्त वैभव हो, मुगलों के खिलाफ फरकिया का ऐतिहासिक अलगाव हो या १९४२ की रेल-रोको क्रांति—ये सभी तत्व मिलकर खगड़िया को भारतीय प्रतिरोध के इतिहास का एक अमिट अध्याय बनाते हैं।

....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org